भारत सरकार

विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1437

जिसका उत्तर 15 दिसंबर, 2022 को दिया जाना है ।

तेलंगाना सुपर तापीय विद्युत ऊर्जा संयंत्र

1437. डॉ. वेंकटेश नेता बोरलाकुंता:
श्रीमती कविता मलोथू:
डॉ. जी. रणजीत रेड्डी:

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) मई 2020 में आयोजित किए जाने वाले 800 मेगावाट के तेलंगाना सुपर तापीय विद्युत ऊर्जा संयंत्र (एसटीपीपी) स्टेशन-1 के परीक्षण में विलंब के क्या कारण हैं;

(ख) उक्त परियोजना में लगने वाले समय और लागत में कितनी वृद्धि हुई है;

(ग) क्या अगस्त, 2022 का संशोधित परीक्षण पूरा हो गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त परियोजना द्वारा विद्युत उत्पादन कब तक आरंभ कर दिया जाएगा?

उत्तर

विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री
(श्री आर.के. सिंह)

(क) : आरंभ करने में विलंब के प्रमुख कारण, जो तेलंगाना सुपर थर्मल पावर प्लांट की यूनिट #1 के ट्रायल रन के संचालन की एक पूर्व-चरण गतिविधि है, निम्नानुसार हैं:

- SOx और NOx के लिए नए पर्यावरण मानदंडों के कारण बॉयलर की पुनः-अभियांत्रिकी के कारण विलंब।
- तेलंगाना सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण रेत की अनुपलब्धता।
- मार्च, 2020 से कोविड-19 महामारी के कारण हुए व्यवधानों के कारण विलंब।
- तेलंगाना परियोजना के लिए माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा लगाई गई संशोधित पर्यावरण संबंधी मंजूरी शर्तों की अनुपालना।
- भेल द्वारा धीमी प्रगति और कमीशनिंग चरण के दौरान शॉप वेल्ड ज्वाइंट्स में विनिर्माण संबंधी दोष होना।

(ख) : तेलंगाना परियोजना (2x800 मेगावाट) वर्तमान में प्रारंभ होने के लक्ष्य के संदर्भ में 31 माह के विलंब से चल रही है। अब तक किया गया और उपार्जित किया गया वास्तविक व्यय जो कि 10997.70 करोड़ रुपये है, अनुमोदित परियोजना लागत के भीतर है।

(ग) और (घ) : तेलंगाना यूनिट#1 प्रारंभ होने के अग्रिम चरण में है। स्टीम ब्लोइंग और संबंधित अग्रिम कमीशनिंग गतिविधियों के पूरा होने के बाद, सामान्यीकरण की प्रक्रिया जारी है।

परियोजना की यूनिट#1 वित्तीय वर्ष 2022-2023 की तिमाही-4 (क्यू-4) तक आरंभ होने की संभावना है।

****